गया है, यह सारे सालों में सबसे कम एरियर्स वाला साल है । 31-10-87 को 2135.35 करोड़ का जो ऐमाउन्ट बनता था, उसमें से अब तक 9.77 करोड़ ही बाकी है जो कि कुल ऐमाउन्ट का 0.5 परसेंट होता है । तो शुगरकेन एरियर्स की पेमेंट की पोजिशन में बहुत सुधार हुआ है ।

DR. (SHRIMATI) SAROJINI MAHISHI: Mr. Chairman, Sir, sugarcane requires a full 12 months' period for its growth. It also requires a heavy dose of irrigation and fertilizer. The global economists have said, 'they have to rethink whether sugarcane shall be grown for purposes of alcohol, ethylene and methylene or for purposes of sugar in the next decade'. Therefore, in this context, I would like to know whether the Government has paid any attention towards substituting sugar by other sweeteners like beetroot and maize from which of course, sugar can be taken out and that is a short duration crop and whether incentives are being given for such other sweeteners also.

SHRI H. K. L. BHAGAT: The hon. Member has put a very intelligent question but she should address the Agriculture Ministry.

MR. CHAIRMAN: It is not his question. It is a question relating to the Agriculture Minister.

DR. (SHRIMATI) SAROJINI MAHISHI: Sir, the Government cannot escape by giving this answer.

MR. CHAIRMAN: You are putting a question to a Minister and not to the whole Government.

*307. [*The questioner (Shri Parvathaneni Upendra) was absent. For answer* vide col. 38-39 infra].

Additional capacity for crude steel

*308. SHRI RAJNI RANJAN SAHU: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) whether any plan has been formulated for creating additional capacity for crude steel in the country; and

(b) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STEEL AND MINES (SHRI M. L. FOTEDAR): (a) and (b) Yes, Sir. Within the overall plan for increasing steel production within the country, proposals have been formulated for increasing the crude steel capacity of Bokaro from 4.0 MT per annum to 4.5 MT per annum and of Burnpur from 1.0 MT per annum to 2.15 MT per annum. In addition, the modernisation of Rourkela and Durgapur will also lead to an increase in crude steel production.

श्री रजनी रंजन साहू : सभापति जी, देश में इस्पात की आवश्यकता को देखते हुये बोकारो में 40 लाख टन से बढ़ा कर 45 लाख टन का प्रस्ताव है । यह सराहनीय है और इसके लिये मैं मंत्री महोदय को धन्यवाद देता हूं । साथ ही यह जानना चाहता हूं कि जब बर्नपुर की वार्षिक क्षमता 10 लाख टन से बढ़ाकर 21.5 लाख टन करने का प्रस्ताव किया गया है । बोकारो में जब इससे अधिक की गुन्जाइश है तो 40 लाख टन से 45 लाख टन की ही बढ़ाने की योजना क्यों तैयार की गई है इससे अधिक की क्यों नहीं ? मैं मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि इससे अधिक भी योजना में समावेश किया जा सकता है या नहीं ?

श्री एम० एल० फोतेदार : बोकारो में इस साल, सवा दो मिलियन टन प्रोड्यूस हो रहा है और अगले साल सितम्बर या अक्तूबर तक 4 मिलियन टन का उत्पादन हो जायेगा और नये प्लान के मुताबिक 5 लाख टन अतिरिक्त किया जायेगा । आगे जब जरूरत होगी तो 8वीं और 9वीं योजना में देखा जायेगा ।

श्री रजनी रंजन साहू : मेरा दूसरा प्रश्न यह है कि 5 लाख टन वार्षिक क्षमता बोकारो में बढ़ाये जाने की योजना है और 10 लाख टन से करीब 22 लाख टन बर्नपुर में

बढ़ाये जाने की योजना है तो क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि :

5 लाख टन बोकारो में बढ़ाया जायेगा और 10 लाख टन से 22 लाख टन बर्नपुर में, इसके मार्डनाइजेशन में क्या प्रोपोशनेट एक्सपेंडीचर होगा ?

श्री एम० एल० फोतेदार : आनरेबल मैम्बर को बताना चाहता हूं कि जहां तक बोकारो एक्सपेंशन प्लान का ताल्लुक है इसमें हमें रशिया से एड मिलेगी। और जहां तक इस्को का प्रश्न है That is still under consideration. We hope, by next year, we will be able to take a decision and finalise the project.

PROF. C. LAKSHMANNA: Mr. Chairman, Sir, the importance and the need for crude steel is very obvious with so much of construction activities yet to take place. But then, I would like to know from the hon. Minister whether he is thinking in terms of having backward integration of the Salem Steel Plant so that the iron ore which is available in the same mine could be converted into crude iron, which was the first step in the integrated steel mine at Salem. I would like to know what steps will be taken in order that this particular requirement of crude is met for other steel mines. In respect of Vizianagaram Plant, what steps will be taken?

SHRI M. L. FOTEDAR: So far as Salem Plant is concerned, it is not ingot but it is an alloy steel plant.. We are examining it. We have not taken any final decision. We are awaiting the tecno-economic report about Salem Plant. So far as Vijaynagar Plant is concerned, it has not been included in the Seventh Five-year Plan due to financial constraints and it is not possible to take up the project during this Plan.

श्री राम अवधेश सिंह : सबसे दिक्कत बात स्टील मिनिस्ट्री के साथ यह है कि 4 महीने, 6 महीने या साल भर के बाद मिनिस्टर बदल दिये जाते हैं और जब तक कोई पूरी जानकारी उन्हें मिले उसके पहले नया मिनिस्टर आ जाता है।

श्री सभापति : आप प्रश्न पूछिए।

श्री राम अवधेश सिंह : मैं यह कहना चाहता हूं कि स्टील के साथ अन्याय हो रहा है। हमारे मंत्री महोदय ने कहा कि 4 मिलियन टन से 4.5 मिलियन टन बोकारो में बढ़ाने की स्कीम है। मैं यह जानना चाहता हूं कि ओरीजनल जो बोकारो का प्लान तैयार किया गया था तो कितने मिलियन टन का टारगेट रखा गया था ? जहां तक मुझे याद है यह 10 मिलियन टन का प्लान्ट था और उसमें कटौती करते करते यह एक मिलियन टन पर आ गया है। महोदय, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि आरिजनली यह प्लान्ट कितने मिलियन टन का था, 3 मिलियन तक जाने में आपके कितने और वर्ष लगेंगे और कछुये की जिस गति से मिनिस्ट्री चल रही है उसको देखते हुए मैं यह भी पूछना चाहता हूं कि 10 मिलियन टन तक जाने में कितना समय और लगेगा ?

श्री एम० एल० फोतेदार : आनरेबल मेम्बर को जरा ध्यान रखना चाहिए कि एक मिलियन 10 लाख होता है और एक लाख एक लाख ही होता है। ओरिजनली जो प्रपोजल बोकारो का था वह 1.7 मिलियन टन का था यानी 17 लाख। ...(**व्यवधान**)... मैं समझाने की कोशिश कर रहा हूं क्योंकि मिलियन और लाख समझने में कन्फ्यूजन होता है। मैं हिन्दी में बोल रहा हूं और समझने की कोशिश तथा समझाने की कोशिश कर रहा हूं।

श्री राम अवधेश सिंह : मिलियन और एक लाख मालूम है।

श्री एम० एल० फोतेदार : माननीय मेम्बर साहब को मैं यह कहना चाहता हूं कि कभी भी यह प्रस्ताव नहीं था कि बोकारो 10 मिलियन टन की क्षमता

का होगा । पहले 17 लाख टन का था और फिर 25 लाख टन हो गया जो हमने पूरा किया । उसके बाद इसके एक्सपेंशन में हम इसको 40 लाख टन कर रहे हैं । इसके अलावा मैंने आपको बताया कि अगले साल सितम्बर अक्तूबर, 1988 तक 40 लाख टन पूरा किया जायेगा । उसके बाद हमारा एक्सपेंशन का प्रोग्राम है और 5 लाख टन और इसको बढ़ायेंगे जो आधा मिलियन टन होता है, 10 मिलियन टन का कभी प्रपोजल नहीं था ।

श्री राम अवधेश सिंह : 10 मिलियन टन का ओरिजनली प्लान्ट स्कीम में था

श्री सभापति : हिन्दुस्तान में 10 मिलियन टन का कभी कोई प्लान्ट नहीं था ।

श्री राम अवधेश सिंह : सबसे बड़ा प्रोजक्ट बोकारो स्टील प्लान्ट का होने वाला था और यही इसकी योजना थी । .....(**व्यवधान**).....

श्री एम० एल० फोतेदार : स्टील मिनिस्ट्री के पास कभी कोई ऐसा प्रपोजल नहीं था हो सकता हैं कि माननीय सदस्य के पास हो ।

Establishment of High Security Animal Disease Laboratory at Bhopal

*309. SHRI AJIT P. K. JOGI: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether Government had recently decided to establish a High Security Animal Disease Laboratory at Bhopal;

(b) if so, whether the Government of Madhya Pradesh have made 134.89 acres of land available for this Institute but that further progress in this regard is very slow; and

(c) if so, whether Government propose to make immediate steps to start this laboratory early?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI YOGENDRA MAKWANA): (a) Yes, Sir.

(b) Yes, Sir. The area has already been fenced. The core staff for the laboratory has been identified from the existing staff of the Institute. There was some delay in locating suitable consultants for this project

(c) Yes, Sir. Steps have already been taken to provide the requisite funds for setting up the Laboratory.

श्री अजीत जोगी : सभापति महोदय, माननीय मंत्री जी ने स्वीकार किया है कि इस संस्था को स्थापित करने में अनावश्यक विलम्ब हुआ है । राज्य सरकार द्वारा जमीन बहुत पहले दी जा चुकी थी । उसके बाद केन्द्रीय सरकार द्वारा केवल फेन्सिंग और एक बोर्ड लगाया गया है । उधर से आने वाले लोग उस बोर्ड को देखकर केन्द्रीय सरकार की क्षमता की हंसी उड़ाते थे । अभी भी उत्तर में यह कहा गया है कि इस संस्थान के वर्तमान स्टाफ में से प्रयोगशाला के लिए कोर स्टाफ की पहचान की गई है लेकिन नियुक्ति नहीं की गई है । इसलिये मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि निश्चित रूप में कब तक स्टाफ की नियुक्ति हो जायेगी, निश्चित रूप से कब तक निर्माण कार्य प्रारम्भ होगा और निश्चित रूप से कब तक निर्माण कार्य पूरा हो जायेगा और यह संस्थान चलने लगेगा ।

SHRI YOGENDRA MAKWANA: This is the High Security Animal Disease Laboratory for diagnosing and controlling exotic diseases of livestock. There are only five or six laboratories of this type the world over and it was a question whether it should be in our country or not and why such a High Risk Laboratory should be in this country. This is a laboratory of a unique nature. First it was decided that it should be on an island so that it could be segregated.